

Padma Vibhushan



SHRI SOMANAHALLI MALLAIAH KRISHNA

Shri Somanahalli Mallaiah Krishna is former External Affairs Minister and former Chief Minister of Karnataka. His statesman like vision and administrative acumen, set a new benchmark in every office that he occupied during a career straddling more than six decades. His citizen- friendly initiatives and humane approach to decision-making while serving in various capacities in New Delhi, Bengaluru, and Mumbai have benefitted millions across our nation.

2. Born on 1st May, 1932, in Somanahalli, a village in Maddur Taluq, Mandya district, Karnataka, Shri Krishna obtained his B.A. degree from Maharaja's College, Mysore, and a degree in Law from Government Law College, Bangalore. Subsequently, he migrated to the United States to graduate from the Southern Methodist University in Dallas, Texas, and the George Washington University Law School in Washington D.C, where he was a Full bright Scholar. Soon after his return to India, he forayed into politics with his debut as Member of the Legislative Assembly from Praja Socialist Party in 1962.

3. Shri Krishna served the nation and the state in various capacities as Union Minister of State for Finance (1984-85) and Union Minister of State for Industry (1983-84); Speaker of Karnataka Legislative Assembly (1989-92); Deputy Chief Minister, Government of Karnataka (1992-94); Minister for Commerce & Industry & Parliamentary Affairs, Government of Karnataka (1972-77). He was a member of Rajya Sabha and Lok Sabha several times between 1971 to 2014.

4. Shri Krishna, as the External Affairs Minister, Government of India, approved the establishment of Passport Seva Kendras across the country for the convenience of the common person even as he extended a hand of friendship to several nations to cement bilateral economic and trade relations with them.

5. Shri Krishna, as the Chief Minister of Karnataka, worked to develop rural outreaches and urban precincts with equal resolve and diligence. He articulated, planned and implemented the novel mid-day meal scheme for school children. This initiative helped more children to pursue education regularly. He pioneered the concept of "Brand Bangalore" and established an ecosystem to facilitate the growth of industries in the Information Technology and Biotechnology sectors and for the genesis of start-ups. He was the project's chief architect to connect Bangalore with several international destinations through an airport of global standards. Today, with two terminals, the buzzing Kempe Gowda International Airport (KIAL) stands testimony to his visionary approach to developmental projects. He encouraged public-private-participation through the Bangalore Agenda Task Force (BATF), an entity consisting of business and civic leaders, to draw up an agenda for the city and suggest ways in which the city's infrastructure and service delivery improve according to best practice systems elsewhere. He was also instrumental in introducing reforms in the Energy Sector and digitizing land records through a scheme christened BHOOMI.

6. Shri Krishna piloted Karnataka state to its place of pride between 1999 and 2004 after leading the Congress to victory as President of the Karnataka Pradesh Congress Committee in 1999. On demitting the office of Chief Minister, he took oath as Governor of Maharashtra in December, 2004. He returned to his home state in 2008 and was elected Chairman of the Election Management and Coordination Committee, KPCC, and occupied this post till 2013.



श्री सोमनहल्ली मल्लय्य कृष्ण

श्री सोमनहल्ली मल्लय्य कृष्ण पूर्व विदेश मंत्री और कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री हैं। छह दशक से अधिक के करियर में उन्होंने जिस भी पद पर कार्य किया वहाँ विशिष्ट राजनीतिक दूरदृष्टि और प्रशासनिक कौशल के नए मानदंड स्थापित किए। नई दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में विभिन्न पदों पर रहते हुए उनकी नागरिक-हितैषी पहलों और निर्णय लेने के मानवीय दृष्टिकोण से देश के लाखों लोग लाभान्वित हुए हैं।

2. 1 मई, 1932 को कर्नाटक के मांड्या जिले के मधुर तालुक के गाँव सोमनाहल्ली में जन्मे, श्री कृष्ण ने महाराजा कॉलेज, मैसूर से स्नातक, और गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, बेंगलूर से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद, वह संयुक्त राज्य अमेरिका गए, जहाँ उन्होंने सदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, डलास, टेक्सास से डिग्री प्राप्त की और जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, वाशिंगटन डीसी से स्नातक किया, जहाँ वे फुलब्राइट स्कॉलर थे। भारत लौटने के तुरंत बाद, वह राजनीति में आ गए और 1962 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से विधान सभा सदस्य बनकर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की।

3. श्री कृष्ण ने विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश और राज्य की सेवा की। वह केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री (1984–85) और केंद्रीय उद्योग राज्य मंत्री (1983–84); कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष (1989–92); उप मुख्यमंत्री, कर्नाटक सरकार (1992–94); वाणिज्य और उद्योग और संसदीय मामलों के मंत्री, कर्नाटक सरकार (1972–77) रहे। वह 1971 से 2014 के बीच कई बार राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रहे।

4. भारत सरकार के विदेश मंत्री के रूप में श्री कृष्ण ने आम लोगों की सुविधा के लिए देश भर में पासपोर्ट सेवा केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी और उन्होंने कई देशों के साथ द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए मैत्री सम्बन्धों को बढ़ावा दिया।

5. कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में, श्री कृष्ण ने समान संकल्प और परिश्रम के साथ ग्रामीण इलाकों और शहरी क्षेत्र के विकास के लिए काम किया। उन्होंने स्कूली बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन योजना तैयारी की और उसे लागू किया। यह पहल अधिक-से-अधिक बच्चों को नियमित शिक्षा प्राप्त करने में सहायक रही। उन्होंने “ब्रांड बेंगलूर” की अवधारणा को आगे बढ़ाया और सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उद्योगों के विकास को सुगम बनाने और स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए ईको-सिस्टम तैयार किया। वह एक विश्व स्तरीय विमानपत्तन द्वारा बेंगलूर को विश्व के अन्य देशों से जोड़ने की परियोजना के मुख्य सूत्रधार थे। आज, दो टर्मिनलों के साथ, शानदार केम्पे गौडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (केआईएएल) विकास परियोजनाओं के लिए उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रमाण है। उन्होंने बेंगलूर एजेंडा टास्क फोर्स (बीएटीएफ) के माध्यम से सार्वजनिक-निजी-भागीदारी को प्रोत्साहित किया, जो शहर को बेहतर बनाने के लिए एक कार्यसूची तैयार करने और अन्यत्र सर्वश्रेष्ठ व्यवस्थाओं के अनुरूप शहर की अवसंरचना और सेवाओं में सुधार के तरीकों का सुझाव देने के लिए व्यापारियों और जन नेताओं की एक संस्था थी। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में सुधार करने और भूमि योजना के माध्यम से भूमि अभिलेखों को डिजिटल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

6. श्री कृष्ण ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में 1999 में चुनावों में कांग्रेस को जीत दिलाई और 1999 और 2004 के बीच कर्नाटक राज्य को गौरवपूर्ण स्थान पर पहुँचाया। मुख्यमंत्री का पद छोड़ने पर, उन्होंने दिसंबर, 2004 में महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। वह 2008 में अपने गृह राज्य लौट आए और केपीसीसी के चुनाव प्रबंधन और समन्वय समिति के अध्यक्ष चुने गए और 2013 तक इस पद पर रहे।